प्रतिवेदन

विषयः– राष्ट्रीय प्रौद्योगिकी दिवस **दिनांक 11.05.2023**

कम्प्यूटर साइंस एवं एप्लीकेशन विभाग द्वारा दिनांक 11 मई 2023 को राष्ट्रीय प्रौद्योगिकी दिवस मनाया गया। इस अवसर पर विभिन्न गतिविधियों का आयोजन भी किया गया।

कार्यक्रम का शुभारंभ प्रातः 11:30 बजे उद्घाटन सत्र के साथ प्रारंभ हुआ। जिसमें विश्वविद्यालय के कुलपति आचार्य अरुण दिवाकर नाथ वाजपेयी फिजी से ऑनलाईन माध्यम से सम्मिलित हुये। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि हिमांचल प्रदेश विश्वविद्यालय के कम्प्यूटर साइंस विभाग के प्राध्यापक डॉ. मनु सूद थे। कार्यक्रम में विशिष्ट अतिथि के रूप में विश्वविद्यालय के कुलसचिव श्री शैलेन्द्र दुबे उपस्थित थे।

विश्वविद्यालय के कुलपति ने राष्ट्रीय प्रौद्योगिकी दिवस की सभी को शुभकामनाएं प्रेषित की और कहा कि तकनीक के उपयोग के बिना जीवन संभव नहीं है। लेकिन तकनीक या मशीन का मानव पर नियंत्रण घातक हो सकता है। आर्टिफिशियल इंटलीजेंस का उपयोग समाज और राष्ट्र की बेहतरी के लिये होना चाहिए न कि विनाश के लिये इसे हमारे वैज्ञानिकों को विचार करना होगा तथा तकनीक, संस्कृति के बाद के पायदान में होना चाहिये ताकि हमारी संस्कृति एवं परम्पराये जीवित रह सके। उन्होंने कम्प्यूटर साइंस के विभागाध्यक्ष को इस सुंदर आयोजन हेतु बधाई प्रेषित की।

तत्पश्चात डॉ.मनू सूद ने **''नेक्स्ट जनरेशन तकनीक''** विषय पर अपने व्याख्यान देते हुये कहा कि तकनीक अपने नये–नये स्वरूप के साथ हम सबके सामने आ रहीं है। जिसने मानव मस्तिष्क के सोचने–समझने की शैली को ही परिवर्तित कर दिया है। उन्होंने भविष्य की तमाम नयी तकनीक पर विस्तृत व्याख्यान दिया और कहा कि यह छात्रों के लिए एक सुअवसर है, कि छात्र आज के दिवस के बारे में जाने तथा इसे अपने कैरियर के निर्माण में उपयोग करें। विभाग के विभागाध्यक्ष डॉ.एच.एस.होता को उन्होंने सुंदर आयोजन हेतु बधाई प्रेषित भी की।

कार्यक्रम के प्रारंभ में विभागाध्यक्ष डॉ.एच.एस.होता ने स्वागत भाषण देते हुये कार्यक्रम के उद्देश्य पर प्रकाश डालते हुये कहा कि राष्ट्रीय प्रौद्योगिकी दिवस मनाने की शुरूवात 11 मई 1999 में हुई तत्कालीन प्रधानमंत्री अटल बिहारी वाजपेयी ने 11 मई 1998 को पोखरन परमाणु प्रशिक्षण के पश्चात भारतीय वैज्ञानिकों को सम्मान देने उनके उल्लेखनीय कार्यों को याद करने के उद्देश्य से इस दिवस को मनाने का निर्णय लिया था। इस वर्ष राष्ट्रीय प्रौद्योगिकी दिवस का मूल मंत्र ''स्कूल–टू–स्टार्टअपः इग्नाइट यंग माइंड टू इन्नोवेट'' है।

उद्घाटन कार्यक्रम का धन्यवाद ज्ञापन विभाग के सहायक प्राध्यापक श्री जीतेन्द्र कुमार के द्वारा किया गया। कार्यक्रम में अन्य गतिविधियों का आयोजन भी किया गया विभाग के 125

छात्रों द्वारा **''सतत् विकास के लिये तकनीक''** विषय पर प्रेजेन्टेशन दिया गया। छात्रों ने नवीन तकनीक यथा मशीन लर्निंग, स्मार्ट एग्रीकल्चर, आई.ओ.टी. इत्यादि विषयों पर अपने आकर्षक प्रेजेन्टेशन दिये तथा बड़े उत्साह के साथ समानांतर 05 प्रेजेन्टेशन सत्र में भागीदारी की। समस्त कार्यों को बाहर से आये कम्प्यूटर साइंस के प्राध्यापकों द्वारा जजमेंट किया गया।

एक अन्य गतिविधि के अंतर्गत ''**इमर्जिंग तकनीक**'' विषय पर क्विज प्रतिस्पर्धा का आयोजन किया गया जिसमें 35 टीमों ने हिस्सा लिया। विभिन्न चार चरणों पश्चात प्रथम, द्वितीय एवं तृतीय विजेताओं को नामित किया गया।

प्रेजेन्टेशन एवं क्विज प्रतिस्पर्धा में निम्नानुसार विजेता घोषित किये गये ।

प्रेजेन्टेशनः–

1. एम.सी.ए. II सेमेस्टर – **डोलकुमार,उज्जवल माटोलिया, रीतू साहू**
2. एम.एस.सी. (कम्प्यूटर साइंस) II सेमेस्टर – **राधा सिंह चौहान**
3. बी.एस.सी. (आनर्स) कम्प्यूटर साइंस II सेमेस्टर – **सारांश सिंह, सुमित सोनी**
4. बी.एस.सी. (आनर्स) कम्प्यूटर साइंस IV सेमेस्टर – **किशन कौशिक**
5. बी.एस.सी. (आनर्स) कम्प्यूटर साइंस VI सेमेस्टर – **उत्कर्ष श्रीवास्तव**

क्विजः–

प्रथम – **शशीकांत, रूपांजली, एम.एस.सी. (कम्प्यूटर साइंस) II सेमेस्टर**
द्वितीय – **ओमप्रकाश, पार्वती, एम.सी.ए. II सेमेस्टर**

कार्यक्रम के अंत में सभी प्रतिभागी विजेताओं को डॉ.मनु सूद, डॉ. मनीष श्रीवास्तव गुरूघासीदास विश्वविद्यालय तथा विभागाध्यक्ष डॉ.एच.एस.होता के माध्यम से स्मृति चिन्ह प्रदान किया गया तथा समस्त प्रतिभागी छात्रों को प्रमाण पत्र भी वितरित किया गया।

समापन समारोह में छात्रों ने अपने फीडबैक भी दिया तथा कहा कि विभाग द्वारा हमेशा ही नये–नये तरह के कार्यक्रम आयोजित किये जा रहे है। जिसे हम सभी छात्रों को लाभ मिल रहा है। जिस प्रकार से विभाग में गतिविधियों का आयोजन किया जा रहा है उससे हमें बड़े शहर में जाकर कम्प्यूटर पाठ्यक्रम में प्रवेश न लेने का अफसोस नहीं है। इससे हमारी तकनीकी दक्षता तो बढ़ ही रही है साथ में नवीन ज्ञान भी प्राप्त हो रहा है। आज के राष्ट्रीय प्रौद्योगिकी दिवस में डॉ.मनु सूद का व्याख्यान हम सबके लिये प्रेरणा और ज्ञानवर्धक रहा। संपूर्ण प्रौद्योगिकी दिवस का आयोजन विभाग के सहायक प्राध्यापक डॉ.रश्मि गुप्ता के संयोजन में विभाग के छात्रों के समूह में गठित कोडिंग क्लब के द्वारा संपादित किया गया।

छायाचित्रः–

WHAT IS BLOCK CHAIN ?

DEPT. OF COMPUTER SCIENCE & APPLICATION
Celebrating
NATIONAL TECHNOLOGY
on
11th May, 2023
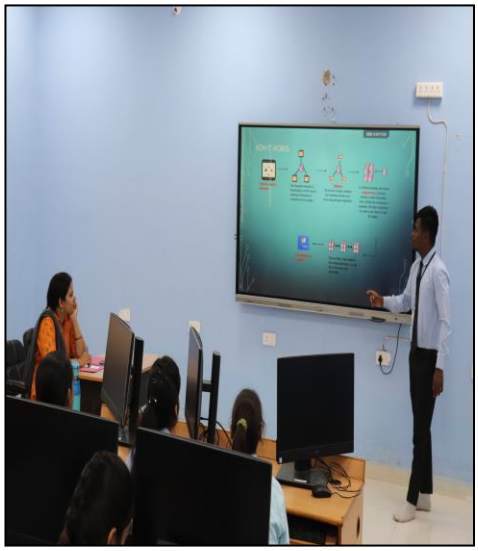
HOW IT WORKS

BIG DATA

प्रिंट मीडियाः–

राष्ट्रीय प्रौद्योगिकी दिवस : तकनीक या मशीन का मानव पर नियंत्रण घातक : प्रो वाजपेयी

एआई का समाज की बेहतरी के लिए हो उपयोग

पत्रिका न्यूज नेटवर्क
patrika.com

बिलासपुर. अटल बिहारी वाजपेयी यूनिवर्सिटी के साइंस एवं एप्लीकेशन विभाग द्वारा 11 मई को राष्ट्रीय प्रौद्योगिकी दिवस मनाया गया। कार्यक्रम का शुभारंभ प्रात: 11.30 बजे उद्घाटन सत्र के साथ प्रारंभ हुआ जिसमें विश्वविद्यालय के कुलपति आचार्य अरुण दिवाकर नाथ वाजपेयी फिजी से ऑनलाइन माध्यम से सम्मिलित हुए। कार्यक्रम के मुख्यअतिथि हिमाचल प्रदेश विश्वविद्यालय के कम्प्यूटर साइंस विभाग के प्राध्यापक डॉ. मनु सूद थे। कार्यक्रम में विशिष्ट अतिथि के रूप में विश्वविद्यालय के कुलसचिव शैलेन्द्र दुबे उपस्थित थे। विश्वविद्यालय के कुलपति ने राष्ट्रीय प्रौद्योगिकी दिवस की सभी को शुभकामनाएं प्रेषित की और कहा कि तकनीक के उपयोग के बिना जीवन संभव नहीं है। लेकिन तकनीक या मशीन का मानव पर नियंत्रण घातक हो सकता है। आर्टिफिशियल इंटलीजेंस का उपयोग समाज और राष्ट्र की बेहतरी के लिए होना चाहिए न कि विनाश के लिए, इस पर हमारे वैज्ञानिकों को विचार करना होगा। तकनीक, संस्कृति के बाद के पायदान में होना चाहिए ताकि हमारी संस्कृति एवं परम्पराएं जीवित रह सकें।

नेक्स्ट जनरेशन तकनीक से भविष्य संवारें : डॉ. सूद

विशिष्ट अतिथि डॉ.मनु सूद ने "नेक्स्ट जनरेशन तकनीक" विषय पर अपने व्याख्यान देते हुए कहा कि यह छात्रों के लिए एक सुअवसर है कि छात्र आज के विवस के बारे में जाने तथा इसे अपने कैरियर के निर्माण में उपयोगें करें। विभागाध्यक्ष डॉ.एच.एस.होता ने स्वागत भाषण दिया। धन्यवाद ज्ञापन विभाग के सहायक प्राध्यापक जीतेन्द्र कुमार द्वारा किया गया। विभाग के 125 छात्रों द्वारा "सतत् विकास के लिए तकनीक" विषय पर प्रेजेंटेशन दिया गया। छात्रों ने नवीन तकनीक यथा मशीन लर्निंग, स्मार्ट एग्रीकल्चर, आई.ओ.टी. आदि विषयों पर भी प्रेजेन्टेशन दिए। "इमर्जिंग तकनीक" विषय पर क्विज प्रतिस्पर्धा का आयोजन किया गया जिसमें 35 टीमों ने हिस्सा लिया। सभी प्रतिभागी विजेताओं को डॉ.मनु सूद, डॉ. मनीष श्रीवास्तव गुरुघासीदास विश्वविद्यालय तथा विभागाध्यक्ष डॉ.एच.एस.होता के माध्यम से प्रमाण पत्र वितरित किया गया।

छात्रों ने कहा- ज्ञान-वर्धक रहा व्याख्यान

समापन समारोह में छात्रों ने अपने फीडबेक भी दिया तथा कहा कि विभाग द्वारा आयोजित कार्यक्र मों से हमें सभी छात्रों को लाभ मिल रहा है। जिस प्रकार से विभाग में गतिविधियों का आयोजन किया जा रहा है उससे हमें बड़े शहर में जाकर कम्प्यूटर पाठ्यक्रम में प्रवेश न लेने का अफसोस नहीं है। इससे हमारी तकनीकी दक्षता को बढ़ ही रही है साथ में नवीन ज्ञान भी प्राप्त हो रहा है। राष्ट्रीय प्रौद्योगिकी दिवस पर डॉ.मनु सूद का व्याख्यान हम सबके लिए प्रेरणा और ज्ञानवर्धक रहा। संपूर्ण प्रौद्योगिकी दिवस का आयोजन विभाग की सहायक प्राध्यापक डॉ.रश्मि गुप्ता के संयोजन में विभाग के छात्रों के समूह में गठित कोडिंग क्लब के द्वारा संपादित किया गया।

प्रेजेंटेशन और क्विज स्पर्धा के घोषित विजेता

प्रेजेन्टेशन

- एम.सी.ए. द्वितीय सेमेस्टर - डोल कुमार, उज्ज्वल माटोलिया, रीतू साहू
- एम.एस.सी. (कम्प्यूटर साइंस) द्वितीय सेमेस्टर - राधा सिंह चैहान
- बी.एस.सी. (आनर्स) कम्प्यूटर साइंस द्वितीय सेमेस्टर - सारांश सिंह, सुमित सोनी
- बी.एस.सी. (आनर्स) कम्प्यूटर साइंस चतुर्थ सेमेस्टर - किशन कौशिक
- बी.एस.सी. (आनर्स) कम्प्यूटर साइंस सिक्स सेमेस्टर - उत्कर्ष श्रीवास्तव

क्विज

- प्रथम - राशिकांत, रूपांजली, एम.एस.सी. (कम्प्यूटर साइंस) द्वितीय सेमेस्टर
- द्वितीय - ओमप्रकाश, पार्वती, एम.सी.ए. द्वितीय सेमेस्टर

आयोजन • अटल यूनिवर्सिटी के कंप्यूटर साइंस विभाग ने मनाया राष्ट्रीय प्रौद्योगिकी दिवस

तकनीक के बिना जीवन संभव नहीं पर मशीन का मानव पर नियंत्रण घातक हो सकता है

सिटीरिपोर्टर | बिलासपुर

अटल यूनिवर्सिटी के कंप्यूटर साइंस एवं एप्लीकेशन विभाग द्वारा गुरुवार को राष्ट्रीय प्रौद्योगिकी दिवस मनाया गया। कार्यक्रम का उद्घाटन कुलपति आचार्य अरुण दिवाकर नाथ वाजपेयी ने फिजी से ऑनलाइन किया। मुख्य अतिथि हिमाचल यूनिवर्सिटी के कम्प्यूटर साइंस विभाग के प्राध्यापक डॉ. मनु सूद, विशिष्ट अतिथि प्रभारी कुलसचिव शैलेन्द्र दुबे रहे। कुलपति आचार्य वाजपेयी ने कहा कि तकनीक के उपयोग के बिना जीवन संभव नहीं है, लेकिन तकनीक या मशीन का मानव पर नियंत्रण घातक हो सकता है। आर्टिफिशियल इंटलीजेंस का उपयोग समाज और राष्ट्र की बेहतरी के लिए होना चाहिए, न कि विनाश के लिए। इसे हमारे वैज्ञानिकों को विचार करना होगा। तकनीक, संस्कृति के बाद के पायदान में होना चाहिए, ताकि हमारी संस्कृति एवं परंपराएं जीवित रह सकें। विभागाध्यक्ष डॉ. होता ने कहा कि राष्ट्रीय प्रौद्योगिकी दिवस मनाने की शुरुआत 11 मई 1999 में हुई। इस वर्ष राष्ट्रीय प्रौद्योगिकी दिवस का मूल मंत्र स्कूल टू स्टार्टअप इनाइट यंग माइंड टू इनोवेट है। धन्यवाद ज्ञापन विभाग के सहायक प्राध्यापक जीतेंद्र गुप्ता ने किया। कार्यक्रम में अन्य गतिविधियों का आयोजन भी किया गया। विभाग के 125 छात्रों द्वारा सतत् विकास के लिए तकनीक विषय पर प्रेजेन्टेशन दिया। छात्रों ने नवीन तकनीक यथा मशीन लर्निंग, स्मार्ट एग्रीकल्चर, आईओटी आदि विषयों पर प्रेजेंटेशन दिए। कम्प्यूटर साइंस के प्राध्यापकों ने जजमेंट किया। इमर्जिंग तकनीक विषय पर क्विज प्रतिस्पर्धा भी हुई। इसमें 35 टीमों ने हिस्सा लिया। विजेताओं को डॉ. सूद, डॉ. मनीष श्रीवास्तव, . होता ने प्रमाण-पत्र वितरित किया।

तकनीक ने मानव मस्तिष्क के सोचने-समझने की शैली को ही परिवर्तित कर दिया है: डॉ. सूद

मुख्य अतिथि डॉ. सूद ने नेक्स्ट जनरेशन तकनीक विषय पर व्याख्यान दिए। उन्होंने कहा कि तकनीक अपने नए-नए स्वरूप के साथ हम सबके सामने आ रही है। जिसने मानव मस्तिष्क के सोचने-समझने की शैली को ही परिवर्तित कर दिया है। उन्होंने कहा कि यह छात्रों के लिए एक सुअवसर है कि छात्र आज के दिवस के बारे में जाने और इसे अपने कैरियर के निर्माण में उपयोग करें।

प्रेजेंटेशन में प्रथम एमसीए द्वितीय सेमेस्टर रहा

प्रेजेंटेशन में प्रथम स्थान एमसीए द्वितीय सेमेस्टर के डोल कुमार, उज्ज्वल माटोलिया, रीतू साहू रहीं। द्वितीय एमएससी कम्प्यूटर साइंस द्वितीय सेमेस्टर की राधा सिंह चौहान रहीं। तृतीय स्थान बीएससी आनर्स कम्प्यूटर साइंस द्वितीय सेमेस्टर के सारांश सिंह, सुमित सोनी ने हासिल किया। चौथे स्थान पर बीएससी आनर्स कम्प्यूटर साइंस चतुर्थ सेमेस्टर के किशन कौशिक रहे। पांचवें स्थान पर बीएससी आनर्स कम्प्यूटर साइंस चतुर्थ सेमेस्टर के उत्कर्ष श्रीवास्तव रहे। वहीं क्विज स्पर्धा में प्रथम राशीकांत, रूपांजली, द्वितीय ओमप्रकाश, पार्वती रहीं।

युथ का नया लक्ष्य मशीन लर्निंग स्मार्ट एग्रीकल्चर व आइओटी

अटल बिहारी वाजपेयी विश्वविद्यालय के कम्प्यूटर साइंस एवं एप्लीकेशन विभाग द्वारा गुरुवार को राष्ट्रीय प्रौद्योगिकी दिवस मनाया गया। स्कूल-टू-स्टार्टअप मूल मंत्र के साथ कार्यक्रम प्रारंभ हुआ। 125 छात्र-छात्राओं ने विभिन्न विषयों में प्रेजेंटेशन दिया। युवाओं का लक्ष्य मशीन लर्निंग, स्मार्ट एग्रीकल्चर व आइओटी पर था।

प्रशासनिक भवन के सभागार में कार्यक्रम का शुभारंभ हुआ। मुख्य अतिथि के रूप में हिमाचल प्रदेश विश्वविद्यालय के कम्प्यूटर साइंस विभाग के प्राध्यापक डा.मनु सूद थे। कार्यक्रम में विशिष्ट अतिथि के रूप में विश्वविद्यालय के कुलसचिव शैलेंद्र दुबे शामिल हुए। कुलपति आचार्य प्रो. अरुण दिवाकर नाथ वाजपेयी फिजी गणराज्य से वर्चुअल शामिल हुए। उन्होंने अपने संबोधन में कहा कि तकनीक के उपयोग के बिना जीवन संभव नहीं है। लेकिन तकनीक या मशीन का मानव पर नियंत्रण घातक हो सकता है। आर्टिफिशियल इंटलीजेंस का उपयोग समाज और राष्ट्र की बेहतरी के लिए होना चाहिए न कि विनाश के लिए। इसे लेकर हमारे विज्ञानियों को विचार करना होगा और तकनीक, संस्कृति के बाद के पायदान में होना चाहिए ताकि हमारी संस्कृति एवं परंपराएं जीवित रह सकें।

अटल विश्वविद्यालय के सीएस विभाग द्वारा दिया गया प्रेजेंटेशन – नईदुनिया

छात्रों के लिए एक शानदार मौका : डा. मनू

मुख्य अतिथि डा.मनू सूद ने नेक्स्ट जनरेशन तकनीक विषय पर व्याख्यान देते हुए कहा कि तकनीक अपने नए-नए स्वरूप के साथ हम सबके सामने आ रही है। इसने मानव मस्तिष्क के सोचने-समझने की शैली को ही परिवर्तित कर दिया है। उन्होंने भविष्य की नई तकनीक पर व्याख्यान दिया।

नवीन तकनीक पर दिया बल : डा. होता

विभागाध्यक्ष डा. एचएस होता ने बताया कि विभाग के 125 छात्रों द्वारा सतत् विकास के लिये तकनीक विषय पर प्रेजेंटेशन दिया गया। छात्रों ने नवीन तकनीक यथा मशीन लर्निंग, स्मार्ट एग्रीकल्चर, आइओटी इत्यादि विषयों पर अपने आकर्षक प्रेजेन्टेशन दिए।

इनका रहा विशेष सहयोग

सहायक प्राध्यापक जीतेंद्र कुमार गुप्ता, सहायक प्राध्यापक डा.रश्मि गुप्ता एवं गुरु घासीदास केंद्रीय विश्वविद्यालय के डा. मनीष श्रीवास्तव समेत विभाग के सभी प्राध्यापकों

लाजवाब प्रेजेंटेशन

1.	एमसीए II सेमेस्टर–	डोल कुमार, उज्ज्वल माटोलिया , रीतू साहू
2.	एमएससी (कम्प्यूटर साइंस) II सेमेस्टर –	राधा सिंह चैहान
3.	बीएससी (आनर्स) कम्प्यूटर साइंस II सेमेस्टर –	सारांश सिंह, सुमित सोनी
4.	बीएससी (आनर्स) कम्प्यूटर साइंस IV सेमेस्टर –	किशन कौशिक
5.	बीएससी (आनर्स) कम्प्यूटर साइंस VI सेमेस्टर –	उत्कर्ष श्रीवास्तव